112072 - क्या मुअज़्ज़िन के लिए इमाम बनना जायज़ है?

प्रश्न

क्या मुअज़्ज़िन के लिए नमाज़ के लिए इक़ामत कहने के बाद नमाज़ियों के लिए इमाम बनना जायज़ है?

विस्तृत उत्तर

हर प्रकार की प्रशंसा और गुणगान केवल अल्लाह तआला के लिए योग्य है।.

जी हाँ, एक ही व्यक्ति के लिए अज़ान देना और इमामत करना जायज़ है। अगर मुअज़्ज़िन दूसरों की तुलना में क़ुरआन का अधिक ज्ञान रखने वाला है, तो वह उपस्थित लोगों को इमाम के रूप में नमाज़ पढ़ाएगा। यही हुक्म उस समय भी लागू होता है अगर नियमित इमाम अनुपस्थित है और वह इसे अपने स्थान पर नियुक्त कर गया है। इसी तरह उसके लिए नियमित इमाम के रूप में नियुक्त होना भी जायज़ है।" उद्धरण समाप्त हुआ।

आदरणीय शैख अब्दुल्लाह बिन जिबरीन

"फतावा इस्लामिय्यह" (1/252).